No. of Printed Pages : 4

MUJ-04

2013

विधि-II (साक्ष्य एवं प्रक्रिया)

प्रश्न पत्र - II

LAW – II (Evidence and Procedure)

Paper - II

निर्धारित समय : तीन घण्टे] *[पूर्णांक : 200*

Time allowed : Three Hours] ***[Maximum Marks : 200***

*नोट : अभ्यर्थी को प्रश्न संख्या 1 जो अनिवार्य है तथा **चार** और अन्य प्रश्न करने हैं । प्रत्येक खण्ड से **एक** प्रश्न करना अनिवार्य है । कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं । प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने अंकित हैं । हांलाकि **सभी** प्रश्नों के समान अंक हैं । **एक** प्रश्न के सभी भागों का उत्तर अनिवार्यत: एक साथ दिया जाय ।*

Note : *Candidates should attempt question Nos. **1** which is compulsory and **four** more questions. Atleast one question must be attempted from each section. In all **five** questions are to be answered. Marks carried by each question have been indicated against the question. However, all questions carry equal marks. The parts of same question must be answered together.*

1. (अ) रामदास पुत्र श्री कृष्णदास, निवासी सगरा, जिला काशीपुर उत्तराखण्ड का विवाह शीला पुत्री रामकृष्ण निवासी हल्दवानी के साथ 20 मार्च 2002 को जिला हरिद्वार में सम्पन्न हुआ था । उनके विवाह के छ: (6) वर्ष बाद भी शीला को कोई संतान पैदा नहीं हुयी । इसके बाद शीला एवं रामदास के सम्बन्ध अच्छे नहीं रहे । उन लोगों ने शीला के साथ दुर्व्यवहार किया । रामदास एवं उसके माता पिता ने सन् 2008 में शीला को उसके मायके (माता पिता के घर) भेज दिया । इन पाँच वर्षों में रामदास ने शीला को भरण पोषण हेतु भी कुछ नहीं दिया । रामदास और उसके माता-पिता ने शीला की व्यक्तिगत सम्पत्ति जैसे गले का हार, कंगन आदि भी नहीं लौटाया । इन परिस्थितियों में शीला विवाह-विच्छेद की डिक्री प्राप्त करना चाहती है ।

उपरोक्त मामले में शीला की ओर से विवाह-विच्छेद के लिए एक वाद पत्र लिखिये । **30**

(ब) उपर्युक्त वाद पत्र के उत्तर में प्रतिवादी रामदास की ओर से लिखित कथन का प्रारूप लिखिये । **10**

(a) Ram Das, S/o. Sri Krishna Das, R/o. Sagara, District Kashipur, Uttarakhand was married to Sheela, D/o. Ram Krishna, R/o. Haldwani on March 20, 2002 at Dist. Haridwar. Even after six years of marriage Sheela did not give birth to any child. Relations between Sheela and Ram Das did not remain happy for this reason. They misbehaved with her. In 2008 Ram Das and his parents sent Sheela to her parents' house. During these five years Ram Das gave no maintenance to Sheela. Ram Das and his parents did not return her personal property also such as necklace and bangles. Under such situation Sheela wants to obtain a decree of dissolution of marriage.

Draft a plaint for dissolution of marriage in the above case on behalf of Sheela.

(b) In reply to the plaint draft a written statement on behalf of defendant Ram Das.

अथवा/OR

एक खाते पीते वयस्क व्यक्ति "क" ने अपने पड़ोस की एक साधारण परिवार की लड़की "ब" से जिसकी माँ का देहान्त हो गया था और जिसका पिता अक्सर पूरे दिन खेत में कार्य करने चला जाता था, दोस्ती बढ़ा ली । उस व्यक्ति से लड़की को एक अधर्मज पुत्र पैदा हो गया । लड़की के पिता ने बच्चा उत्पन्न होने से पूर्व "क" से अपनी पुत्री "ब" के साथ विवाह का प्रस्ताव रखा था जिसे उसने मना कर दिया और भरण-पोषण के लिये भी मना कर दिया ।

इन तथ्यों के आधार पर उपर्युक्त प्रकरण का निर्णय लिखिये । **40**

A young man of considerable means 'A' developed friendship with a young girl 'B' of ordinary family living in his neighbourhood. The girl's mother had died and father usually had to go to his fields for working during the whole day. The girl gave birth to an illegitimate son from above mentioned young man. Before the illegitimate son was born there was proposal of marriage by the girl's father. The young man declined the offer of marriage and also refused to maintain her.

On the basis of the above facts write a judgement in the case.

खण्ड – अ
Section – A

2. (अ) विधिक प्रतिसादन (मुजराई), सम्यिक प्रतिसादन एवं प्रतिदावा के मध्य अन्तर स्पष्ट कीजिये और यह भी समझाइए कि इनका दावा किस प्रकार किया जाता है तथा उनका क्या प्रभाव पड़ता है । **20**

(ब) (i) 'ख' पर एक विनिमय पत्र के आधार पर 'क' वाद लाता है । 'ख' अभिकथन करता है कि 'क' ने 'ख' के माल का बीमा करने में सदोष उपेक्षा की है और 'क' उसे प्रतिकर देने के लिये दायी है, जिसकी मुजराई का दावा 'ख' करना चाहता है । कारण सहित उत्तर दीजिये । **10**

(ii) 'क' निर्वसीयती मर जाता है । उस समय वह 'ख' के प्रति ऋणी है । 'क' की चीज वस्तु का 'ग' प्रशासन पत्र प्राप्त कर लेता है । 'ख' उसी चीज वस्तु का कुछ भाग 'ग' से मोल ले लेता है । 'ग' द्वारा 'ख' के विरुद्ध लाये गये क्रय धन के वाद में 'ख' अपने ऋण की मुजराई चाहता है । कारण सहित उत्तर दीजिये । **10**

(a) Distinguished between legal set off, equitable set off and counter claim. Discuss also how they are claimed and what are their effects.

(b) (i) 'A' sues 'B' on a bill of exchange. "B" alleges that "A" has wrongfully neglected to insure B's goods and is liable to him for compensation, which he claims to setoff. Answer with reasons.

(ii) 'A' dies intestate and in debt to 'B'. "C" takes out administration to 'A's' effects and "B" buys part of the effects from 'C'. In a suit for purchase money by "C" against 'B' the latter wants to set off the debt. Answer with reasons.

3. (अ) सारवान विधिक प्रश्न के सिद्धांत की विवेचना कीजिये, जिसके आधार पर सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 की धारा 100 के अन्तर्गत उच्च न्यायालय के समक्ष द्वितीय अपील दायर की जा सकती है । **20**

(ब) क्या निम्नलिखित मामलों में द्वितीय अपील दायर की जा सकती है ? कारण सहित उत्तर दीजिये ।

(i) एक पक्षीय डिक्री के बारे में **5**

(ii) विधि के विपरीत निर्णय होने पर **5**

(iii) तथ्यों के निर्णय से निकले विधिक अनुमानों पर **5**

(iv) विधि की शक्ति प्राप्त रीतिरिवाज **5**

(a) Discuss the concept of substantial question of law on which the second appeal is filed before the High Court under Section 100 of Civil Procedure Code, 1908.